



Janata Shikshan Sanstha's
KISAN VEER MAHAVIDYALAYA, WAI
DEPARTMENT OF HINDI

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल जून 2019 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-2 (कला)

हिंदी (ऐच्छिक) (शैक्षिक वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22) (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

Programme Outcomes :

- 1) To make the students competent in various walks of life.
- 2) To make the students job ready and enhance their employability.
- 3) To make the students aware of and responsible towards gender, religion, and class equality
- 4) To enhance critical thinking by making them participate in social activities and imbibe human values among them.
- 5) To encourage the students to participate in research at different levels through projects, interviews, surveys and field visits.

***Program Specific Outcomes :**

On completion of B.A Hindi, students will be able:

- 1) To understand the basic concept and subject of Hindi and its origin.
- 2) To make or not the importance of subject Hindi and its Branches.
- 3) To understand various aspects of Hindi literature with the process of reaching a method and giving a new mode and direction.
- 4) To make an attempt in different areas and theory such as vocabulary and vice versa.

- 5) To understand the Literature more in a border area then may be confined to the subject.
- 6) To know about Hindi literature its roots cause perspectives and methods.
- 7) Elaborating and understanding its philosophical methods of Hindi Literature.
- 8) Evaluating the concept of Hindi from past to present and making the society more closely through literature.

Couse Outcomes

Discipline Specific Elective course

हिंदी (ऐच्छिक) (शैक्षिक वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22) (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

Couse Outcomes :

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य

उद्देश्य -

कथा साहित्य का स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों का अध्ययन कराना।

समीक्षा मानदंडों के आधार पर कथा साहित्य का अध्ययन कराना।

कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।

कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना।

अध्यापन पद्धति -

व्याख्यान विश्लेषण।

संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।

चर्चा एवं संगोष्ठी।

आई. सी. टी. का प्रयोग

तृतीय सत्र प्रश्नपत्र 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा

उद्देश्य -

छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।

छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों से परिचित कराना।

छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।

छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शों से परिचित कराना।

चतुर्थ सत्र

सत्र-IV, प्रश्नपत्र क्रमांक - V रोजगार परक हिंदी

उद्देश्य:-

छात्रों में हिंदी में कार्य करने की विचार क्षमता, कल्पनाशीलता एवं रुचि विकसित कराना।

* रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल प्रदान कराना।

कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल ज्ञान विकसित कराना।

* पत्राचार के स्वरूप का परिचय कराना।

* अनुवाद और व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन कौशल को विकसित कराना।

प्रश्नपत्र 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य

पाठ्यपुस्तक

कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) ममता कालिया

उद्देश्य -

1. छात्रों को हिंदी कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमता को विकसित कराना।
3. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना।
